सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

खबरों के लिए स्कैन करें

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

वर्ष 3 | अंक 23 | अजमेर, सोमवार 25 मई 2026 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

पेट्रोल पंपों पर दोतरफा कट रही जेब, केलिब्रेशन बना मजाक, लूट की खुली छूट

संतोष खाचरियावास।

अजमेर। पिछले 4 साल से मोटा मुनाफा कमा रही तेल कम्पनियों को युद्ध के कारण अब घाटा हो रहा है। चतुर कम्पनियों ने अपने मुनाफे में से तो कभी आमजन को राहत नहीं दी, लेकिन अब अपना घाटा आम जनता के सिर मढ़ दिया है। पेट्रोल डीजल के दामों में 9 दिन में तीसरी बार बढ़ोतरी हो चुकी है। दाम बढ़ने का यह सिलसिला चल पड़ा है, थमेगा कब, नहीं पता। पता है तो सिर्फ इतना कि लोगों की दोतरफा जेब कट रही है। एक तो पेट्रोल डीजल के रेट बढ़ रहे हैं, दूसरे पेट्रोल पंपों पर नोजल में गड़बड़ी कर तेल कम दिया जा रहा है। हाल ही में राजस्थान भर में पेट्रोल पंपों की जांच हुई तो चौंकाने वाली बात सामने आई।

कई पेट्रोल पंप संचालकों ने नोजल के माप में गड़बड़ी कर रखी है, यानी ग्राहकों से पूरे दाम लेने के बावजूद पेट्रोल डीजल कम दिया जा रहा है। बरसों से ऐसा ही हो रहा है। माप तोल विभाग की टीम इस लूट में हिस्सा बंटाकर इतनी मालामाल हो रही है। डिस्पेंसर यूनिट (डीयू) के केलिब्रेशन में क्या खेल चल रहा है, ...अचानक पेट्रोल पंपों की जांच क्यों हो रही है...इन सबका सब सवालों के पीछे कड़वे जवाब छिपे हैं। फिलहाल नीचे ये आंकड़े जान लीजिए कि राजस्थान में किस जिले के कितने पेट्रोल पंपों पर कितने नोजलों में गड़बड़ी मिली है।

5 लीटर पर 15 एमएल तेल की ऊपरी कमाई नहीं अपराध

एल लीटर पर 3 एमएल और पांच लीटर पर 15 एमएल तक कम तेल बेचने को पेट्रोलियम कम्पनियां पंप संचालक का अपराध नहीं बल्कि मशीन का फॉल्ट मानती हैं और दुबारा केलिब्रेशन कराकर इसका 'प्रायश्चित' कर लेने की सुविधा दे रखी है। इधर ग्राहकों को बूंद बूंद की चपत लगती है तो उधर इसी सुविधा का लाभ उठाकर पंप संचालक दिनभर बूंद बूंद से घड़ा भर रहे हैं। एक ग्राहक के 3 एमएल से कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन पंप संचालक दिनभर में हजारों लीटर तेल बेचकर ग्राहकों को सैकड़ों लीटर तेल की चपत लगा रहे हैं। पकड़े जाने पर भी चोरी नहीं कहलाती।

जिला कितने पेट्रोल पंप पर कार्रवाई सीज किए गए नोजल की संख्या

जयपुर (Jaipur)	3 पेट्रोल पंप 12 नोजल
नागौर (Nagaur)	4 पेट्रोल पंप 11 नोजल
बाड़मेर (Barmer)	6 पेट्रोल पंप 10 नोजल
सिरोही (Sirohi)	7 पेट्रोल पंप 9 नोजल
दौसा (Dausa)	2 पेट्रोल पंप 7 नोजल
भरतपुर (Bharatpur)	4 पेट्रोल पंप 6 नोजल
अलवर (Alwar)	2 पेट्रोल पंप 5 नोजल
जोधपुर (Jodhpur)	4 पेट्रोल पंप 5 नोजल
पाली (Pali)	4 पेट्रोल पंप 5 नोजल
सीकर (Sikar)	1 पेट्रोल पंप 4 नोजल
अजमेर (Ajmer)	3 पेट्रोल पंप 4 नोजल
भीलवाड़ा (Bhilwara)	3 पेट्रोल पंप 4 नोजल
जैसलमेर (Jaisalmer)	4 पेट्रोल पंप 4 नोजल
बीकानेर (Bikaner)	1 पेट्रोल पंप 3 नोजल
कोटा (Kota)	2 पेट्रोल पंप 3 नोजल
उदयपुर (Udaipur)	2 पेट्रोल पंप 3 नोजल
डूंगरपुर (Dungarpur)	3 पेट्रोल पंप 3 नोजल
झालावाड़ (Jhalawar)	2 पेट्रोल पंप 2 नोजल
झुंझुनू (Jhunjhunu)	2 पेट्रोल पंप 2 नोजल
सवाई माधोपुर (S. Madhopur)	1 पेट्रोल पंप

रि-केलिब्रेशन कराओ, छुट्टी पाओ

ताज्जुब की बात है कि यह आंकड़े महज वाहवाही लूटने के लिए हैं। नोजल में गड़बड़ी मिलने के बावजूद कोई पंप सीज नहीं किया गया। एलएमओ की टीम केवल दुबारा केलिब्रेशन कराने का नोटिस देकर चली जाती है। दरअसल केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और तेल कम्पनियों, इन तीनों के नियमों में विरोधाभास होने से उपभोक्ताओं पर मार पड़ रही है और इसी आड़ में से लूट का दौर जारी है।

केलिब्रेशन में हो रहा खेल

केन्द्र सरकार ने साल में एक बार (अब 2 साल) पेट्रोल पंप के नोजलों का केलिब्रेशन कराने का नियम बना रखा है। तेल कम्पनियां अपनी तरफ से एक बार केलिब्रेशन की फीस वहन करती हैं। रि केलिब्रेशन की नौबत आने पर डीलर को फीस का वहन करना पड़ता है। हर छह माह में तेल कम्पनी के सेल्स ऑफिसर निरीक्षण करते हैं। प्रति दो माह में डीयू मशीन कम्पनी का टेक्नीशियन मेंटीनेंस करने आता है। इनकी 'ओके' रिपोर्ट मिलती है। इसके बाद अगली विजिट तक डीयू मशीन से प्रति पांच लीटर पर 15 एमएल पेट्रोल डीजल कम भी निकले तो कोई गड़बड़ नहीं, गलती नहीं, बेईमानी नहीं...सिर्फ मशीन का फॉल्ट माना जाता है।

केंद्र का बड़ा फैसला : अब पेट्रोल-डीजल समेत हाइड्रोजन डिस्पेंसर की भी होगी GATC से जांच

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ईंधन वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और हाइड्रोजन डिस्पेंसर की जांच और पुनः सत्यापन भी सरकार से अनुमोदित परीक्षण केंद्र (GATC) के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए उपभोक्ता मामले विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी (सरकार से अनुमोदित परीक्षण केंद्र) नियम, 2013 में संशोधन की अधिसूचना जारी की है।अब तक ऋअळउ व्यवस्था का उपयोग मुख्य रूप से बाट-माप और सामान्य वजन मापने वाले उपकरणों की जांच तक सीमित था, लेकिन सरकार ने बढ़ते स्वच्छ ईंधन उपयोग और आधुनिक ईंधन वितरण प्रणाली को देखते हुए पांच नई श्रेणियों के डिस्पेंसर (ईंधन भरने की मशीनों) को इसमें शामिल किया है। इनमें पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, एलएनजी और हाइड्रोजन डिस्पेंसर प्रमुख हैं। इस फैसले के बाद GATC के तहत सत्यापन योग्य उपकरणों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है।केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार देश में स्वच्छ ईंधनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में सीएनजी, एलएनजी और हाइड्रोजन जैसे वैकल्पिक ईंधनों की सटीक आपूर्ति सुनिश्चित करना आवश्यक हो गया था। नए नियम लागू होने से ईंधन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता आएगी और उपभोक्ताओं को सही मात्रा में ईंधन मिलने की गारंटी मजबूत होगी।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि GATC ऐसे अधिकृत संस्थान होते हैं, जिनके पास माप एवं तौल उपकरणों की जांच और पुनः सत्यापन के लिए आवश्यक तकनीकी संसाधन और आधुनिक आधारभूत संरचना उपलब्ध होती है। निजी प्रयोगशालाओं और औद्योगिक संस्थानों की भागीदारी से देशभर में सत्यापन क्षमता बढ़ेगी और सेवाओं की पहुंच अधिक आसान होगी।संशोधित नियमों के तहत राज्य सरकारों को भी अतिरिक्त श्रेणी के माप एवं तौल उपकरणों को ऋअळउ व्यवस्था में शामिल करने का अधिकार दिया गया है। साथ ही संयुक्त सचिव स्तर और उससे ऊपर के अधिकारियों को अनुमोदन संबंधी अधिकार देकर प्रक्रियाओं को तेज और सरल बनाने का प्रयास किया गया है।सरकार ने पेट्रोल और डीजल डिस्पेंसर के सत्यापन शुल्क को 5 हजार रुपये प्रति नोजल निर्धारित किया है, जबकि सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और हाइड्रोजन डिस्पेंसर के लिए यह शुल्क 10 हजार रुपये प्रति नोजल तय किया गया है।

मंत्रालय का कहना है कि इस पहल से राज्य लीगल मेट्रोलॉजी विभाग निरीक्षण, प्रवर्तन और उपभोक्ता शिकायत निवारण पर अधिक प्रभावी ढंग से काम कर सकेंगे। साथ ही यह निर्णय तकनीक आधारित प्रशासन, व्यापारिक पारदर्शिता और आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूती देगा। सरकार इसे भारत की मेट्रोलॉजी प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मान रही है।

कॉकरोच जनता पार्टी के जवाब में शुरू हुई 'हिट पार्टी'

चिक्कमगलुरु। कर्नाटक में सोशल मीडिया पर एक अनोखा राजनीतिक व्यंग्य युद्ध शुरू हो गया है जहां इंटरनेट पर वायरल हो रहे कॉकरोच जनता पार्टी अभियान के जवाब में लक्ष्मण रेखा और हिट पार्टी नाम से एक विरोधी अभियान शुरू किया गया है।इस दिलचस्प घटनाक्रम की शुरुआत मलनाड क्षेत्र से हुई है। श्रृंगेरी निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नरसिम्हाराजपुरा के बालेहोन्नूर निवासी जगदीशचंद्र ने इस अनोखे विचार की शुरुआत की है और इस आंदोलन का मूल घोषणापत्र लिखा है।समर्थकों के अनुसार मलनाड क्षेत्र में लक्ष्मण रेखा और हिट पार्टी की औपचारिक शुरुआत कर दी गई है और जगदीशचंद्र को इसका राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया गया है। इस समूह का कहना है कि उनका मुख्य उद्देश्य इंटरनेट पर लगातार बढ़ रहे कॉकरोच पार्टी ऑफ इंडिया के प्रभाव का मुकाबला करना है।मूल अभियान की तरह ही इस जवाबी अभियान ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बहुत तेजी से

लोकप्रियता हासिल कर ली है। इसके समर्थकों ने इंटरनेट पर कॉकरोच से कौन नहीं डरता? का नारा भी खूब वायरल किया है, जिससे सोशल मीडिया पर चल रही यह बहस एक मजेदार लेकिन तेजी से बढ़ती डिजिटल प्रतिस्पर्धा में बदल गई है। हिट पार्टी से जुड़े नेताओं का कहना है कि कॉकरोच को खत्म करने के लिए इस्तेमाल होने वाले रासायनिक साधन जैसे हिट और लक्ष्मण रेखा इस वायरल अभियान के खिलाफ उनके प्रतीकात्मक जवाब हैं। उन्होंने कहा कि जब तक देश में कॉकरोच पार्टी रहेगी, तब तक उनकी हिट पार्टी के कार्यकर्ता हमेशा सतर्क रहेंगे और लक्ष्मण रेखा तथा हिट का इस्तेमाल करते रहेंगे।इस नए जवाबी आंदोलन के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर, विशेष रूप से कर्नाटक के मलनाड क्षेत्र में व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। इंटरनेट पर एक मीम के रूप में शुरू हुआ यह मामला अब दो व्यंग्य समूहों के बीच एक बड़े डिजिटल युद्ध का रूप ले चुका है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने खरीदा 180 किलोग्राम सोना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने तीन अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 180 किलोग्राम सोना खरीदा, जिसका बाजार में वर्तमान मूल्य लगभग 261 करोड़ रुपए है।केंद्रीय बैंक के मई 2026 के बुलेटिन में बताया गया है कि उसके पास 24 अप्रैल को 880.52 टन सोना था, जो एक महीने पहले जारी रिपोर्ट के 880.34 टन से 180 किग्रा अधिक है। यह बढ़ोतरी तीन अप्रैल को समाप्त सप्ताह में दर्ज की गई थी।देश में इस समय सोना 1.45 लाख रुपए प्रति दस ग्राम या 1.45 करोड़ रुपए प्रति किलोग्राम के करीब है। इस प्रकार रिजर्व बैंक द्वारा खरीदे गए 180 किलोग्राम सोने की कीमत तकरीबन 261 करोड़ रुपए होती है। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति के बाद स्वर्ण भंडार दूसरा सबसे बड़ा घटक है।

मौजूदा समय में दुनिया भर में जारी व्यापार और भू-राजनैतिक अनिश्चितताओं के बीच रिजर्व बैंक एक साल में 940 किलोग्राम सोना खरीद चुका है। पिछले साल दो मई को केंद्रीय बैंक के पास 879.58 टन सोना था। उल्लेखनीय है कि कई देशों के केंद्रीय बैंक पिछले कुछ समय से सोने की खरीद कर रहे हैं। इससे सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली पीली धातु की कीमतों में उछाल आया है।रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल अप्रैल की शुरुआत में सोने के दाम में तेजी रही। बाद में हालांकि डॉलर में निवेशकों की रुचि बढ़ने से सोने में थोड़ी नरमी देखी गई थी।

सम्पादकीय

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। ह्लसत्यं वद, धर्मं चरह्ल, ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ल, ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःह्ल जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए?

त्विषा शर्मा का 12 दिन बाद अंतिम संस्कार, दोबारा पोस्टमार्टम संपन्न

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बहुचर्चित त्विषा शर्मा मौत मामले में रविवार को उनकी मौत के 12 दिन बाद भोपाल के भदभदा श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले दिल्ली एम्स की विशेषज्ञ टीम ने भोपाल एम्स में उनका दोबारा पोस्टमार्टम किया।पारिवारिक सूत्रों के अनुसार त्विषा के भाई मेजर हर्षित ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के दौरान परिवार के सदस्य और बड़ी संख्या में परिचित मौजूद रहे। इससे पूर्व भोपाल एम्स में दिल्ली एम्स की फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने करीब तीन घंटे तक पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की। टीम ने जांच के लिए नमूने, फोटोग्राफ और अन्य दस्तावेज अपने साथ लिए हैं।

नई दिल्ली एम्स के फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. सुधीर कुमार गुप्ता ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने में अभी समय लगेगा, क्योंकि हिस्टोपैथोलॉजी और विसरा परीक्षण सहित कुछ प्रयोगशाला जांच शेष हैं।गौरतलब है कि 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स क्षेत्र में त्विषा शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है।इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है और सोमवार को चीफ जस्टिस की पीठ में सुनवाई प्रस्तावित है। वहीं भोपाल जिला न्यायालय ने आरोपी पति समर्थ सिंह को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजते हुए उसका पासपोर्ट जब्त करने के निर्देश दिए हैं।इधर, त्विषा की सास गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत निरस्त करने संबंधी आवेदन पर भी सोमवार को सुनवाई होगी। राज्य सरकार ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने के लिए सहमति दे दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश की त्विषा शर्मा के मामले में लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेत्री और मॉडल त्विषा शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है और वह इस मामले की सुनवाई आगामी सोमवार को करेगा। न्यायालय ने जांच में संस्थागत पूर्वाग्रह और प्रक्रियात्मक विसंगतियों शीर्षक से यह मामला दर्ज किया है।इस बेहद चर्चित मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ करेगी। इसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली भी शामिल हैं।गौरतलब है कि 33 वर्षीय त्विषा शर्मा का विवाह भोपाल के वकील समर्थ सिंह से हुआ था। विवाह के महज पांच महीने बाद 12 मई को वह भोपाल के कटारा हिल्स स्थित अपने ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। त्विषा के परिवार ने दहेज की मांग को लेकर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं।

राजस्थान में वर्ष 2024 में हर दिन औसत 23 बच्चे हुए लापता

जयपुर। राजस्थान में वर्ष 2024 में हर दिन औसत 24 बच्चे लापता हुए और पूरे साल में 8597 बच्चे लापता दर्ज किए गए जो एक साल में करीब 7.30 प्रतिशत की वृद्धि है।अंतरराष्ट्रीय गुमशुदा बाल दिवस (25 मई) के अवसर पर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में वर्ष 2023 में 8012 लापता बच्चों के मामले दर्ज किए गए। राजस्थान लापता बच्चों के मामले में देश के शीर्ष 10 राज्यों में शामिल है।

वर्ष 2024 में भारत में लापता बच्चों की संख्या एक लाख 47 हजाार 175 रही, जिसमें ट्रांसजेंडर बच्चे भी शामिल हैं। इनमें से एक लाख 11 हजार 271 लड़कियां थीं। राष्ट्रीय स्तर पर रुझान दशार्ते हैं कि 2023 से 2024 के बीच लापता बच्चों के मामलों में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो एक लाख 38 हजार 609 से बढ़कर एक लाख 47 हजार 175 हो गयी। इनमें से तकरीबन 5.8 प्रतिशत मामले राजस्थान से हैं।मामलों के रोकथाम के लिए मजबूत कदमों की जरूरत पर जोर देते हुए क्राई की क्षेत्रीय निदेशक सोहा मोइत्रा ने कहा कि राजस्थान में लापता बच्चों के मामलों में बढ़ोतरी चिंताजनक है, क्योंकि लापता बच्चों में लड़कियों की तादाद बहुत अधिक बनी हुई है। हर पांच में से चार से अधिक लापता बच्चे लड़कियां हैं, जो गहरी लैंगिक असुरक्षाओं की ओर इशारा करता है और इस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि रोकथाम व्यवस्था को मजबूत करना, खासकर किशोरियों के लिए, और समुदाय स्तर पर खतरों से निपटना, बच्चों के लापता होने की संख्या को कम करने के लिए बेहद जरूरी है।उन्होंने बताया कि एनसीआरबी आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार प्रदेश में वर्ष 2024 में कुल लापता बच्चों में 7091 लड़कियां थीं जो कुल मामलों का 82.48 प्रतिशत हैं जो राज्य में हर दिन औसतन 19 लड़कियां लापता हुई।राजस्थान में 85 प्रतिशत से अधिक लापता बच्चे मिले, लेकिन अनसुलझे मामले अब भी बने हुए हैं। बच्चों को ढूंढने के मामले में राज्य के नतीजे अपेक्षाकृत बेहतर रहे हैं। साल भर में कुल 7371 लापता बच्चों को ढूंढा गया, जिनमें 6209 लड़कियां और 1162 लड़के शामिल हैं। बरामदगी की दर 85.7 प्रतिशत रही हैं।

NMO द्वारा हंता वायरस अवेयरनेस एवं CPR प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। राष्ट्रीय मेडिकोज ऑगेर्नाइजेशन (NMO) महानगर जयपुर इकाई द्वारा सवाई मानसिंह अस्पताल स्थित खटअ हॉल में हंता वायरस अवेयरनेस एवं उढफप्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें चिकित्सकों, मेडिकल विद्यार्थियों एवं विभिन्न संस्थाओं से जुड़े लगभग 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सह प्रांत संघचालक एवं इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष डॉ. हेमंत सेठिया ने कहा कि वर्तमान समय में सीपीआर (Cardio Pulmonary Resuscitation) प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक सामाजिक आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने बताया कि सही समय पर सीपीआर मिलने से अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता है।उन्होंने हाल ही में एयरपोर्ट पर एक डॉक्टर द्वारा सीपीआर देकर एक व्यक्ति की जान बचाने के उदाहरण का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि एनएमओ इस प्रकार के प्रशिक्षण को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का कार्य करें, तो यह एक बहुत बड़ा सामाजिक अभियान बन सकता है। उन्होंने कहा कि एनएमओ केवल चिकित्सकों का संगठन नहीं, बल्कि समाज जीवन में स्वास्थ्य जागरूकता और सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुनील महावर ने प्रेजेंटेशन देते हुए हंता वायरस के संक्रमण, उसके लक्षण, बचाव, उपचार एवं रोकथाम के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में जागरूकता और रोकथाम ही इस प्रकार के संक्रमणों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. वीके जैन ने सीपीआर प्रशिक्षण सत्र में सीपीआर की प्रक्रिया को मौखिक एवं प्रायोगिक दोनों माध्यमों से विस्तारपूर्वक समझाया। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों को आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक जीवनरक्षक सहायता के महत्व से अवगत कराया।डॉ. जैन ने कहा कि आज के समय में सीपीआर प्रशिक्षण को केवल मेडिकल क्षेत्र तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे विद्यालय स्तर से ही स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि सामान्य नागरिक भी आपात स्थिति में किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में सक्षम हो सकें। उन्होंने कहा कि यदि समाज के अधिकाधिक लोगों को सीपीआर का प्रशिक्षण दिया जाए, तो हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि वे इस प्रशिक्षण को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए सदैव सहयोग के लिए तैयार हैं।कार्यक्रम में एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, एनएमओ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुशील भाटी, प्रांत अध्यक्ष डॉ. शेरसिंह यादव, प्रांत सचिव राजकुमार, महानगर अध्यक्ष डॉ. बुद्धिप्रकाश एवं महानगर सचिव डॉ. आशालता भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशालता ने किया।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान का आंदोलन स्थगित

जयपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (एबीआरएसएम) विद्यालय शिक्षा द्वारा शिक्षकों के हितों को लेकर चलाए जा रहा राज्यव्यापी आंदोलन शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के साथ सार्थक चर्चा के बाद स्थगित कर दिया गया हैं।महासंघ के महामंत्री महेन्द्र कुमार लखारा ने शनिवार को बताया कि 29 मई को होने वाले जिला स्तरीय धरना-प्रदर्शन के भारी दबाव के बीच शुक्रवार देर रात दिलावर ने संगठन के शिष्टमंडल को वार्ता के लिए अपने निवास बुलाया और प्रदेश अध्यक्ष रमेश पुष्करणा के नेतृत्व में पहुंचे शिष्टमंडल और शिक्षा मंत्री के मध्य, छात्र एवं शिक्षक हित में विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर विस्तृत और सार्थक चर्चा हुई, जिसके बाद संगठन ने अपने आगामी आंदोलन के चरणों को स्थगित करने की घोषणा की।उन्होंने बताया कि वार्ता के मुख्य बिन्दुओं में नया शैक्षणिक सत्र 21 जून के बजाय 29 जून से प्रारंभ करने तथा संस्था प्रधान अधिकृत अवकाश में की गई कटौती को वापस लेते हुए इसे यथावत दो दिवस रखने पर सैद्धांतिक सहमति बनी। इसके आदेश जल्द ही जारी किए जाएंगे। तृतीय वेतन श्रृंखला के शिक्षकों के स्थानांतरण (तबादलों) के विषय पर शिक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री से विशेष अनुरोध करने का आश्वासन दिया।शिक्षकों की पदोन्नति के मामले न्यायालय में प्रभावी पैरवी करने के लिए शिक्षा मंत्री ने शिष्टमंडल के सामने ही विभागीय अधिकारियों और अतिरिक्त महाधिवक्ता को दूरभाष पर निर्देश दिए वहीं उन्नत किये गये विद्यालयों में पदों की वित्तीय स्वीकृति दिलाने और तृतीय श्रेणी शिक्षकों और प्रबोधकों की वेतन विसंगति को दूर करने के लिए वित्त विभाग के स्तर पर व्यक्तिगत प्रयास करने का भरोसा दिया।शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में अधिकांश संख्या में केवल शिक्षकों को न लगाने के लिए चुनाव आयोग सहित संबंधित विभागों से संवाद कर समाधान निकालने का आश्वासन दिया। संविदाकर्मियों के लिए बने नियमों को लेकर अधिकारियों के साथ पुनर्विचार करने की बात कही।

संघर्ष समिति सयोजक सम्पत सिंह ने इसे शिक्षकों के संघर्ष की जीत बताते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री के साथ हुए संवाद में अधिकांश मांगों पर सैद्धांतिक सहमति बनी है। विभाग के इस सकारात्मक और गंभीर रुख को देखते हुए संगठन ने अपने आगामी आंदोलन के चरणों को स्थगित करने की घोषणा करते हुए कहा कि संघर्ष के कारण ही विभाग को हमारी मांगों पर पुनर्विचार के लिए मजबूर होना पड़ा।

झुंझुनूं सड़क हादसे में ऊंटगाड़ी चालक की मौत

झुंझुनूं। राजस्थान में झुंझुनूं जिले के पचेरी कलां थाना क्षेत्र में रविवार को एक सड़क हादसे में एक ऊंटगाड़ी चालक मजदूर की मौत हो गई। माजरी गांव निवासी बृजलाल (45) अपनी ऊंटगाड़ी लेकर डूमोली गांव स्थित ईंट भट्टे पर ईंट भराई के काम के लिए जा रहा था। दिल्ली-झुंझुनूं सड़क मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी ऊंटगाड़ी को टक्कर मार दी। इससे बृजलाल की मौके पर ही मौत हो गई।सूत्रों ने बताया कि हादसे में ऊंट भी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल ऊंट का उपचार करवाया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव सिंघाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में पहुंचाया जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

कुंए में मिट्टी ढहने से दो भाईयों की मौत

करौली। राजस्थान में करौली के सपोटरा थाना क्षेत्र में अमरगढ़ गांव में शनिवार को मोतीपुरा मार्ग के एक पुराने कुएं में पानी की मोटर निकालने के दौरान अचानक 40 फुट गहरे कुएं की मिट्टी ढह जाने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। सरकारी संसाधनों के अभाव में ग्रामीणों ने खुद ही राहत और बचाव कार्य शुरू किया। करीब 15 फुट नीचे मिट्टी में दबे दोनो भाईयों को ग्रामीणों ने ढाई घंटे तक बाद बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतक दोनो भाईयों की पहचान अमरगढ़ निवासी कमलेश (32) और मुकेश (35) रूप में हुई है। हादसे की खबर पर पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया।

सोशल मीडिया पर दोस्ती, प्यार का खौफनाक अंत

किशोरी के बाद युवक का भी शव नहर में मिला

श्रीगंगानगर। राजस्थान में सोशल मीडिया पर शुरू हुई किशोरी और युवक के प्यार का अंत शनिवार को श्रीगंगानगर में हो गया।पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि 19 वर्षीय गौरव बोस का सड़ा-गला शव नहर किनारे से निकालकर उसके परिवार वालों को सौंप दिया गया और शाम को उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इससे पहले नहर में एक किशोरी का शव मिला था।गौरव बोस, जो श्रीगंगानगर में जवाहर नगर थाना के नजदीक इंदिरा चौक क्षेत्र में रहता था और एक रेडीमेड कपड़ों की दुकान पर काम करता था, अपनी 16-17 वर्षीय प्रेमिका को सोशल मीडिया के जरिए जानता था। दोनों की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी, जहां गौरव खुद को गौरव सोनी के नाम से प्रस्तुत करता था। इनकी धीरे-धीरे चैटिंग मोहब्बत में बदल गई।विगत 13 मई को हनुमानगढ़ जंक्शन निवासी किशोरी सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन बस पकड़कर सीधे श्रीगंगानगर पहुंच गई। वहां गौरव से मिली और उसे लेकर उसके घर चली गई। जब गौरव लड़की को घर ले आया तो मां नाराज हो गईं। उसने गौरव को तुरंत लड़की को उसके घर छोड़कर आने को कहा।गौरव ने बात मान ली और दोनों इंदिरा चौक से ई-रिक्शा लेकर हनुमानगढ़ मार्ग की ओर रवाना हो गए। दोपहर करीब पौने एक बजे

उन्हें रिद्धि सिद्धि कॉलोनी प्रथम के गेट के पास आखिरी बार देखा गया था। उसके बाद दोनों लापता हो गए।उसी दिन देर शाम घमूडवाली पुलिस थाना क्षेत्र में गंगनहर में एक लड़की का शव मिला जो उसी किोरी का था। उसके दोनों हाथ दुपट्टे से बंधे हुए थे और वह स्कूल यूनिफॉर्म में थी। उसकी पहचान हनुमानगढ़ जंक्शन की संगरिया रोड पर रहने वाली एक सरकारी स्कूल की छात्रा के रूप में हुई। लड़की के परिवार वालों ने बताया कि वह सुबह स्कूल गई थी और शाम तक नहीं लौटी। उसके पिता ने जंक्शन थाने में 14 मई को रिपोर्ट लिखाई कि गौरव सोनी ने उनकी बेटी को फुसलाकर ले गया है।

जल्द ही पुलिस को पता चला कि गौरव सोनी असल में गौरव बोस (धाणक) है। जब पुलिस उसके घर पहुंची तो परिवार ने बताया कि गौरव लड़की को लेकर घर आया था, लेकिन मां के कहने पर उसे छोड़ने चला गया था। उसके बाद दोनों का कोई अता-पता नहीं चला। गौरव अपना मोबाइल फोन भी घर पर छोड़ गया था।इस घटना के बाद दोनों समाजों में तनाव फैल गया। हनुमानगढ़ जंक्शन में अरोड़ा समाज के लोगों ने गौरव पर लड़की की हत्या का आरोप लगाते हुए उसकी गिरफ्तारी की मांग की, जबकि श्रीगंगानगर में धाणक समाज के लोगों ने दावा किया कि गौरव को लड़की के परिवार वालों ने गायब कर दिया हैदोनों परिवार गहरे दुख और अनिश्चितता में डूबे रहे। पुलिस को भी शुरू में शक था कि दोनों ने नहर में कूदकर आत्महत्या कर ली होगी, लेकिन गौरव का शव न मिलने से उसके परिवार को उम्मीद बनी रही कि वह कहीं जीवित होगा।

शुक्रवार सुबह चूनावढ़ थाना क्षेत्र के चक 8-एचएच दानीरामवाला गांव के पास नहर में एक शव मिला। पुलिस मौके पर पहुंची और शव नहर से निकलवाया। मौके पर ही पोस्टमार्टम किया गया। जूते सुरक्षित रखे गए और डीएनए सैंपल लिया गया। उसके बाद नहर को किनारे ही दफना दिया गया।जब यह सूचना जवाहरनगर थाने पहुंची, जहां गौरव के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज थी, तो हवलदार हरदेव सिंह ने तुरंत गौरव के परिवार वालों को सूचित किया। परिवार वाले चूनावढ़ पहुंचे और कपड़े एवं जूतों को देखते ही भावुक होकर रो पड़े। वे गौरव के ही थे। शनिवार दोपहर में चूनावढ़ में उप तहसीलदार के आदेश पर शव निकालकर परिवार को सौंप दिया गया। शाम को गौरव बोस का विधिवत अंतिम संस्कार कर दिया गया।

पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव 31 जुलाई तक कराने के आदेश

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव 31 जुलाई तक कराने के शुक्रवार को आदेश दिए। हाईकोर्ट ने सरकार की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें चुनाव दिसम्बर तक टालने के लिए समय मांगा गया था।कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायमूर्ति संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि चुनाव

समय पर कराना संवैधानिक जिम्मेदारी है। उच्च न्यायालय ने साफ किया कि पहले भी सरकार को पर्याप्त समय दिया जा चुका है। राज्य सरकार ने अदालत में दलील दी थी कि अप्रैल में विद्यालयों का नया सत्र शुरू होने, मई-जून में भीषण गर्मी और जुलाई-सितम्बर में बारिश एवं कृषि कार्यों के कारण चुनाव कराना मुश्किल होगा। इसी आधार पर सरकार ने दिसम्बर तक का समय मांगा था।उच्च न्यायालय ने इन तर्कों को स्वीकार नहीं किया और चुनाव प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। इससे पहले भी न्यायालय ने 15 अप्रैल तक चुनाव कराने की समय-सीमा तय की थी।

OPPO Launches Find X9 Series in India: Powerhouse Specs Meet Premium Pricing

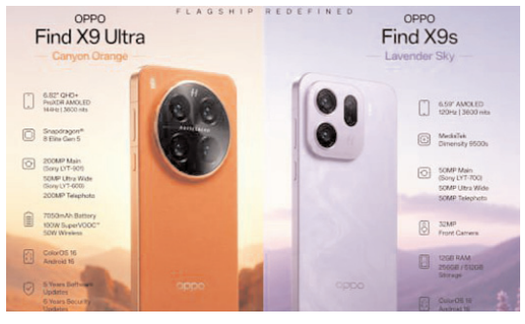

The premium smartphone landscape in India just got a massive shake-up. OPPO has officially introduced its most ambitious flagship lineup yet—the OPPO Find X9 series. Comprising the ultra-premium OPPO Find X9 Ultra and the compact yet potent OPPO Find X9s, this new series targets power users who refuse to compromise on performance, battery life, or mobile photography.Let's dive into what these devices offer, along with crucial data adjustments regarding their monster batteries and charging speeds.

OPPO Find X9 Ultra: The No-Compromise Flagship-The Find X9 Ultra positions itself as a luxury powerhouse, directly competing with the highest-tier flagships in the market.Display: A massive 6.82-inch QHD+ ProXDR AMOLED panel. It boasts a silky-smooth 144Hz refresh rate and an industry-leading peak brightness of 3,600 nits, ensuring flawless visibility even under direct harsh sunlight.Performance: Under the hood is the state-of-the-art Snapdragon 8 Elite Gen 5 processor. Paired with 12GB of RAM and 512GB of fast storage, it handles heavy multitasking and intensive gaming with absolute ease.The 200MP Hasselblad Master Cameras: The photography setup is where the Ultra truly earns its name. It houses a 200MP Sony LYT-901 primary sensor, a 50MP ultra-wide lens, and a staggering 200MP telephoto periscope camera engineered in collaboration with Hasselblad. A 50MP front shooter handles crisp video calls and selfies.Battery Power house: The Ultra packs a monstrous 7,050mAh silicon-carbon battery that safely supports lightning-fast 100W wired Super Fast Charging and 50W wireless charging.

धौलपुर में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

धौलपुर। राजस्थान में धौलपुर में बसेड़ी के गांव बोरेली में 11 महीने पहले ही शादी के बंधन में बंधी एक विवाहिता ने शनिवार को देर रात फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि मृतका की पहचान लक्ष्मी (22) पत्नी कृष्णा परमार निवासी बोरेली के रूप में हुई है। लक्ष्मी का पीहर उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के तहरा क्षेत्र स्थित गांव अनूप का पुरा है। उसके पिता राजेंद्र ने रविवार को पुलिस में मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद मृतका का शव परिजनों को सौप दिया।

डीग में ट्रक-पिकअप की टक्कर से चौदह लोग घायल

डीग। राजस्थान में डीग जिले के बहज गांव के पास गोवर्धन मार्ग पर रविवार दोपहर ट्रक और पिकअप की टक्कर से पिकअप में सवार 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को डीग राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सात घायलों को भरतपुर के आरबीएम अस्पताल भेजा गया।पुलिस सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना के शिकार पिकअप में बानसूर के रामपुर से वृंदावन सवामणी के लिए जा रहे थे। घायलों में रामपुर-बानसूर निवासी नरेश (30), गिल्लू (25), अमित (30), साहिल (20), कुलदीप (10), कैलाश (35), नवीन (20), रिंकू (22), दुलीचंद (26), हितेश (10), सुरेश (40), पूरन (36), रोशन (30) और संदीप (18) शामिल हैं। पुलिस ने मौके पर ही ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया।

ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आने से दो लोगों की मौत

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के बिजौलिया थाना क्षेत्र में रविवार को ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से मोपेड पर सवार दो लोगों की मौत हो गई।पुलिस सूत्रों ने बताया कि उमेदराम जी का खेड़ा के रहने वाले सोजी (50) और विनोद (22) भील बिजौलिया से मोपेड से अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वे देव डूंगरी के पास पहुंचे, विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ़्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी मोपेड को अपनी चपेट में ले लिया। इससे सोजी और विनोद की मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस ने बताया कि टक्कर के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली भी सड़क पर पलट गई। हादसे बाद ट्रैक्ट्रर चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह भिजवाए।

अलवर में ट्रक के पीछे टकराई कार, बालक की मौत, तीन घायल

अलवर। राजस्थान में अलवर के कार लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र में एक कार के ट्रक के पीछे टकराने से एक बालक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए।जानकारी के अनुसार दिल्ली से एक परिवार कार से शनिवार को दौसा जिले के महेंदीपुर बालाजी गया था। शनिवार को जब वे वापस दिल्ली जा रहे थे तो लक्ष्मणगढ़ के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर ट्रक चालक ने अचानक आपात ब्रेक लगा दिए। इसी दौरान पीछे चल रही कार उसके पीछे टकरा गई।सूत्रों ने बताया कि टक्कर से तीन महीने के बालक दिव्यम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अंजलि (26), राहुल (28) और संतोष घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को राहगीरों की मदद से अलवर के जिला अस्पताल पहुंचाया जहां उनक उपचार किया जा रहा है।

258 युवाओं को सौंपे गए नियुक्ति पत्र, डिजिटल माध्यम से जुड़े प्रधानमंत्री मोदी

अजमेर। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय अजमेर के समीप स्थित एसटीआई ऑडिटोरियम में शनिवार सुबह केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी मुख्यआतिथ्य में 19वें रोजगार मेले का आयोजन हुआ।प्रधानमंत्री सुबह 11 बजे ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। इसके बाद रिमोट का बटन दबाकर देशव्यापी रोजगार मेला का डिजिटल शुभारंभ कर नवनियुक्त युवाओं को संबोधित किया। भारत सरकार के रोजगार मेला अभियान के तहत विभिन्न सरकारी विभागों के लिए कुल 258 योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए, जिनमें 240 पुरुष और 18 महिलाएं शामिल हैं।नियुक्ति पत्रों का वितरण दो माध्यमों से किया गया। मुख्य अतिथि चौधरी ने चयनित अभ्यर्थियों को नौकरी के ऑफर लेटर (नियुक्ति पत्र) सौंपे। कुल 92 अभ्यर्थियों (76 पुरुष, 16 महिला) को कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान गए। इसके अलावा 166 अभ्यर्थियों (164 पुरुष, 2 महिला) को ई-मेल के जरिए उनके नियुक्ति भेजे गए।इस अवसर पर नवनियुक्त युवाओं में भारी उत्साह देखा गया, उनके द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेल्फी पॉइंट पर फोटो ली गई। उपस्थित अधिकारियों ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी और उन्हें देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी मेघा गोदारा के निर्देशन में विभिन्न विभागों के समन्वय के साथ किया गया।इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा, अपर मंडल रेल प्रबंधक विकास बूरा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मिहिर देव सहित अन्य रेल अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

राजस्थान पुलिस का संडेज ऑन साइकिल महाअभियान आयोजित

जयपुर। राजस्थान पुलिस के नेतृत्व में रविवार को प्रदेशभर में संडेज ऑन साइकिल अभियान का एक विशेष संस्करण आयोजित किया गया।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति चेतना जगाने के उद्देश्य से आयोजित इस राज्यव्यापी कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, जवानों और आम जनता सहित रिकॉर्ड 18 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।इसका मुख्य उद्देश्य हर नागरिक तक फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज का प्रभावी संदेश पहुंचाना है, जो कि वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किये गये ऐतिहासिक फिट इंडिया मूवमेंट का एक अभिन्न हिस्सा है।रविवार की सुबह को पूरी तरह सेहत और नई ऊर्जा के नाम करते हुए राज्य की समस्त जिला पुलिस, आरएसी बटालियनों, प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य पुलिस इकाइयों के लगभग 18 हजार पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया।इसके साथ ही स्थानीय साइकिलिंग क्लबों, स्वयंसेवी संस्थाओं, विभिन्न फिटनेस समूहों और सीएलजी सदस्यों सहित विशिष्ट एवं गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी सशक्त भागीदारी निभाई। तनावमुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए सुबह ठीक छह बजे राजस्थान पुलिस अकादमी और विभिन्न पुलिस ट्रेनिंग सेंटर्स सहित सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम की शुरूआत हुई।संडे की इस ऊजार्वान सुबह में सबसे पहले सामूहिक योग और ध्यान का सत्र आयोजित हुआ। इसके बाद जवानों और आमजन का उत्साह बढ़ाने के लिए जुम्बा डांस, रनिंग और रोप स्किपिंग जैसी शारीरिक फिटनेस गतिविधियां की गयीं। कार्यक्रम के अंतिम चरण में भव्य साइकिलिंग रैलियों का आयोजन किया गया, जिसने पूरे प्रदेश को फिटनेस के एक रंग में रंग दिया।इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल को काम के भारी दबाव और मानसिक तनाव से मुक्त करना भी है। यह विशेष आयोजन केन्द्र सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय नई दिल्ली के दिशा-निदेर्शों के तहत राष्ट्रमंडल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य देश की खेल संस्कृति को मजबूत करना है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में इस वर्ष इस अभियान के 75वें संस्करण का सफल संचालन किया गया।

समाचार भेजने और विज्ञापन हेतु व किसी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

मो. +91 9887907277, 7737385114

Email ID sabgurunews@gmail.com

अजमेर-6/12बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर 305001, राज.

जयपुर-D8, गोवर्धन कॉलोनी मोहन मार्ग, विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास जयपुर 302019, राज.

दिलावर ने पाली में 400 से अधिक स्कूली प्रतिभाओं का किया सम्मान

पाली। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने रविवार को पाली जिले के खेतावास में 400 से अधिक होनहार स्कूली प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिलावर ने खेलावास स्थित शनि धाम में दाती सेवा संस्थान एवं वादी नट भाट जागृति संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित बाबा साहिब प्रतिभा सम्मान समारोह में इन प्रतिभाओं का सम्मान किया। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने। इस दौरान प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मान पत्र, पुरस्कार राशि एवं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र वाला स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

सवाई माधोपुर में वाहन की चपेट में आने से तेंदुए की मौत

सवाई माधोपुर। राजस्थान में सवाई माधोपुर के भगवतगढ़ क्षेत्र में गौशाला के पास शनिवार को देर रात सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक तेंदुए की मौत हो गई।वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि टक्कर के बाद तेंदुआ सड़क किनारे घायल हालत में तड़पता एवं दर्द में कराहता हुआ लंबी-लंबी सांसें लेता रहा। उसके मुंह से लगातार खून निकलने के बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई।सूत्रों ने बताया कि घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। वन विभाग का दल मौके पर पहुंचा और तेंदुए का शव नाका बौंली के आलनपुर नर्सरी पहुंचाया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)